रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार , 25 अप्रैल, 2026

वर्ष 02 | अंक 104 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

1200 मिसाइलें दागीं, 48 घंटों में 5.6 अरब डॉलर खर्च-ईरान युद्ध में अमेरिका को बड़ा झटका

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने युद्ध जैसे हालात पैदा कर दिए हैं, और शुरुआती 48 घंटों में ही भारी सैन्य खर्च सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान करीब 5.6 अरब डॉलर के हथियारों का इस्तेमाल हुआ, जिससे अमेरिका को बड़ा आर्थिक झटका लगा है। जानकारी के अनुसार, इन 48 घंटों में लगभग 1200 पैट्रियट मिसाइल दागी गईं। ये मिसाइलें दुश्मन के हवाई हमलों को रोकने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं और बेहद महंगी होती हैं। इतनी बड़ी संख्या में इनका उपयोग युद्ध की तीव्रता को दर्शाता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह खर्च मुख्य रूप से एयर डिफेंस सिस्टम, इंटरसेप्टर मिसाइलों और अन्य उन्नत सैन्य संसाधनों पर हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो इसका असर अमेरिका की अर्थव्यवस्था और रक्षा बजट पर और गहरा पड़ सकता है।

AAP में बड़ी टूट: राघव चड्ढा, हरभजन सिंह और स्वाति मालिवाल का BJP में शामिल

चंडीगढ़। पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेस आयोजित कर आप से इस्तीफा देने का एलान किया है। राघव चड्ढा सहित छह और सांसद बीजेपी ज्वाइन करेंगे।

संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सांसद राघव चड्ढा ने कहा, "हमने फैसला किया है कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के हम दो-तिहाई सदस्य भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए भाजपा में विलय कर लेंगे।" सात राज्यसभा सांसदों की लिस्ट में राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालिवाल, राजेंद्र गुप्ता और विक्रमजीत साहनी शामिल हैं।

मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने घोषणा की कि वे पार्टी के पांच अन्य सांसदों के साथ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि AAP के 10 राज्यसभा सांसदों में से सात भाजपा में विलय करने जा रहे हैं। चड्ढा ने कहा, "संविधान के अनुसार, किसी भी पार्टी के कुल सांसदों में से दो-तिहाई सांसद दूसरी पार्टी में विलय कर सकते हैं।"

पहले में चार्टर्ड अकाउंटेंट था: राघव चड्ढा

राघव चड्ढा ने प्रेसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में आने से पहले मैं एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) था। मेरे साथ इस मंच पर विभिन्न क्षेत्रों के लोग थे, जिनमें कुछ वैज्ञानिक और कुछ शिक्षाविद भी थे। आज आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ने वालों में एक विश्व स्तरीय क्रिकेटर, पद्म श्री पुरस्कार विजेता और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं। इन सभी लोगों ने सब कुछ त्याग दिया और भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के संकल्प के साथ इस पार्टी की स्थापना की।

दिल्ली मेयर चुनाव से AAP ने खींचे हाथ, हार की आशंका के चलते नहीं उतारे उम्मीदवार

आम आदमी पार्टी ने 29 अप्रैल को होने वाले दिल्ली मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया है। पार्टी का यह कदम राजनीतिक रणनीति के तहत लिया गया माना जा रहा है, क्योंकि मौजूदा चुनावी गणित उसके पक्ष में नहीं था। सूत्रों के अनुसार, नगर निगम में संख्याबल को देखते हुए पार्टी को हार की पूरी आशंका थी। ऐसे में चुनाव लड़कर हारने से न केवल राजनीतिक संदेश कमजोर होता, बल्कि कार्यकर्ताओं के मनोबल पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता था। इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी नेतृत्व ने चुनाव से दूरी बनाने का निर्णय लिया।

पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हुई रणनीतिक बैठकों में यह आकलन किया गया कि मौजूदा स्थिति में चुनाव लड़ना व्यावहारिक नहीं है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि AAP इस फैसले के जरिए अनावश्यक राजनीतिक नुकसान से बचना चाहती है और भविष्य के चुनावों के लिए अपनी ताकत को संगठित रखना चाहती है। दिल्ली नगर निगम में मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव पार्षदों के वोट के आधार पर होता है। इस बार के समीकरण में विपक्षी दलों की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, जिससे AAP की जीत की संभावना काफी कम हो गई थी। AAP के इस फैसले के बाद अब चुनावी मुकाबला अन्य दलों के बीच ही देखने को मिलेगा। वहीं, राजनीतिक गलियारों में इस निर्णय को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं—कुछ इसे व्यावहारिक रणनीति बता रहे हैं, तो कुछ इसे राजनीतिक हार मानकर पीछे हटना कह रहे हैं। अब नजर इस बात पर रहेगी कि AAP आने वाले समय में दिल्ली की राजनीति में अपनी स्थिति को कैसे मजबूत करती है और इस फैसले का उसके कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

काटना पड़ा पैर, होंठ और हाथ जले... अमेरिकी एयरस्ट्राइक में बुरी तरह जख्मी ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई; हो सकती है प्लास्टिक सर्जरी

इजरायल-अमेरिका के संयुक्त हमले में ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की हालत को लेकर दुनियाभर में तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। मोजतबा US-इजरायल के साथ चल रही जंग के बीच अब तक सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। इस बीच खबर है कि हमले के दौरान मोजतबा खामेनेई बुरी तरह से घायल हो गए थे। दो महीने बीत जाने के बावजूद उनका इलाज अभी भी जारी है। चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटों के कारण वह पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हो पाए हैं। दरअसल, 28 फरवरी 2026 को हुए घातक हमले में अयातुल्ला अली खामेनेई के साथ-साथ कई उच्च पदाधिकारी भी मारे गए थे। एक रिपोर्ट की मानें तो इसी हमले में मोजतबा खामेनेई बुरी तरह से जख्मी हुए थे। अब स्थिति ऐसी है कि उन्हें प्लास्टिक सर्जरी और नकली पैर लगवाने की जरूरत पड़ सकती है। वर्तमान में वे गुप्त रूप से अपना इलाज करवा रहे हैं।

मोजतबा का होंठ झुलसा, चेहरा भी जला

इससे पहले खबरें थी कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा का एक पैर कट गया है। लीवर को भी नुकसान हुआ है। हालांकि अब न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कुछ वरिष्ठ ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि मोजतबा खामेनेई के एक टांग की तीन बार सर्जरी हो चुकी है। उन्हें प्रोस्थेटिक (आर्टिफिशयल) पैर की जरूरत है। इसके अलावा उनके एक हाथ का भी ऑपरेशन हुआ है और वह धीरे-धीरे रिकवर कर रहे हैं। बताया गया है कि इसके बावजूद उन्हें प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत आन पड़ सकती है।रिपोर्ट के अनुसार, मोजतबा खामेनेई का चेहरा और होंठ भी बुरी तरह झुलस गया है, जिसके चलते उन्हें बोलने में परेशानी हो रही है।

जानलेवा हमले के 5 दिन बाद भी आरोपी खुलेआम घूम रहे, पुलिस पर धीमी कार्रवाई का आरोप

रेणु कैथवास

इंदौर। शहर के भांगिया क्षेत्र में प्लॉट विवाद को लेकर हुई मारपीट का मामला अब गंभीर होता जा रहा है। घटना में सुरेश कैथवास को गंभीर चोटें आई हैं, वहीं उनकी पत्नी और बहू को भी आरोपियों द्वारा मारपीट कर घायल किया गया। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जिसके बाद पीड़ित पक्ष ने थाना बाणगंगा में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 21 अप्रैल 2026 को शाम करीब 5:30 बजे भांगिया क्षेत्र में रहने वाले परिवार के प्लॉट पर सामान हटाने को लेकर पारिवारिक विवाद के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि अभिषेक कैथवास, शिवा कैथवास और अन्य लोग गुस्से में आए और गाली-गलौज करने लगे। जब पीड़ित पक्ष ने विरोध किया तो आरोपियों ने हाथ, थप्पड़ और डंडे से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान पीड़ित सुरेश कैथवास के सिर पर लोहे की वस्तु से हमला किया गया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई और सिर में टांके लगाने पड़े। वहीं उनकी नाक की हड्डी टूट गई, हाथ और गर्दन पर भी गंभीर चोटें आईं। बीच-बचाव करने आई पत्नी और बहू को भी आरोपियों ने डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। घटना को आसपास के लोगों ने देखा और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि उन पर जानलेवा हमला हुआ, इसके बावजूद थाने पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही है। घटना को 5 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। परिवार का कहना है कि गंभीर चोट आने के बावजूद मामले में कम धाराएं लगाई गई हैं और अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है और जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इंदौरः लसुड़िया पुलिस की बड़ी कामयाबी, स्कीम-136 के 'अंधे कत्ल' का चंद घंटों में खुलासा

दीपक वाड़ेकर

इंदौर। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जोन-2 श्री कुमार प्रतीक एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री अमरेंद्र सिंह के कुशल निर्देशन में लसुड़िया थाना पुलिस ने क्षेत्र के सनसनीखेज अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

मामले का संक्षिप्त विवरणः बीते दिनों थाना लसुड़िया क्षेत्र के हरसिंगार परिसर के सामने, स्कीम नंबर 136 में एक वृद्ध व्यक्ति की निर्मम हत्या कर दी गई थी। आरोपी ने वृद्ध का सिर कुचलकर वारदात को अंजाम दिया था, जिससे इलाके में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया था। पुलिस के पास शुरुआत में कोई चश्मदीद नहीं था, जिससे यह एक 'अंधा कत्ल' बना हुआ था।

शराब के विवाद में हुई हत्याः पुलिस जांच और आरोपी से पूछताछ में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ कि हत्या की मुख्य वजह शराब खरीदने के दौरान हुआ मामूली विवाद था। जानकारी के अनुसार, शराब दुकान पर आरोपी और वृद्ध व्यक्ति के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसी विवाद का बदला लेने के लिए आरोपी ने वृद्ध पर जानलेवा हमला किया और पत्थर से सिर कुचलकर

उनकी हत्या कर दी।

तकनीकी साक्ष्यों से दबोचा गया कातिलः वारदात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को खंगाला। कड़ियों को जोड़ते हुए पुलिस अंततः आरोपी तक पहुँचने में कामयाब रही। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना के समय इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की है। लसुड़िया पुलिस की इस त्वरित कार्यवाही की वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सराहना की गई है। फिलहाल पुलिस आरोपी से अन्य आपराधिक रिकॉर्ड के संबंध में पूछताछ कर रही है।

UPI से PF निकासी बनेगी आसान, EPFO के नए अपडेट्स कर्मचारियों के लिए राहत

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से जुड़े करोड़ों कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। जल्द ही UPI के जरिए PF (प्रोविडेंट फंड) की निकासी की सुविधा शुरू हो सकती है, जिसे कर्मचारियों के लिए "गेमचेंजर" माना जा रहा है। अब तक PF निकालने के लिए लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था—ऑनलाइन क्लेम, वेरिफिकेशन और कई बार हफ्तों का इंतजार। लेकिन UPI से जुड़ने के बाद यह प्रक्रिया काफी तेज हो सकती है। माना जा रहा है कि कर्मचारियों को कुछ ही मिनटों में पैसा सीधे उनके बैंक खाते में मिल सकेगा।

इस सुविधा का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि आपात स्थिति में कर्मचारियों को तुरंत फंड उपलब्ध हो जाएगा, जबकि उनकी बाकी बचत सुरक्षित बनी रहेगी। इससे PF सिस्टम और अधिक पारदर्शी और यूजर-फ्रेंडली बनने की उम्मीद है। EPFO ने हाल ही में कुछ और अहम अपडेट्स भी किए हैं। इनमें ऑनलाइन क्लेम प्रक्रिया को आसान बनाना, KYC अपडेट को सरल करना और डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देना शामिल है। इसके अलावा, सदस्यों को अपने खाते की जानकारी और बैलेंस चेक करने के लिए बेहतर ऑनलाइन सुविधाएं भी दी जा रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि UPI के साथ PF निकासी की सुविधा आने से कर्मचारियों का भरोसा और बढ़ेगा और उन्हें अपने पैसे तक तेज और सुरक्षित पहुंच मिलेगी। कुल मिलाकर, यह बदलाव न केवल प्रक्रिया को सरल बनाएगा, बल्कि कर्मचारियों के लिए समय और मेहनत दोनों की बचत करेगा। आने वाले समय में यह सुविधा लागू होते ही PF से जुड़ी दिक्कतें काफी हद तक कम हो सकती हैं।

रणजीत टाइम्स

जनगणना 2026: अब पूरी तरह डिजिटल, 'स्व-गणना' के जरिए नागरिक खुद बनेंगे राष्ट्र निर्माण का हिस्सा

महेन्द्र मालवीय रणजीत टाईम्स

ख़कनार:बुरहानपुरः आगामी जनगणना प्रक्रिया में इस बार एक क्रांतिकारी बदलाव किया गया है। अब जनगणना का कार्य पूरी तरह से 'पेपरलेस' (कागज रहित) और डिजिटल मोड में संपन्न होगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य कम समय में डेटा का तीव्र और सटीक संकलन करना है, ताकि भविष्य की सरकारी नीतियां अधिक प्रभावी ढंग से बन सकें।

स्व-गणना' तकनीक और पारदर्शिता का मेल- इस बार की जनगणना में सबसे महत्वपूर्ण नया विकल्प स्व-गणना' (Self-Enumeration)* जोड़ा गया है। इस विषय पर वरिष्ठ अध्यापक और जनगणना कार्य हेतु नियुक्त फील्ड ट्रेनर गोपाल बारी ने महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी किया है:

स्वैच्छिक और सरलः फील्ड ट्रेनर गोपाल बारी ने स्पष्ट किया कि स्व-गणना अनिवार्य नहीं है। यह एक पूर्णतः स्वैच्छिक प्रक्रिया है, जो विशेष रूप से उन शिक्षित परिवारों के लिए है जो स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करने में सक्षम हैं। आईडी (ID) का महत्वः* यदि कोई व्यक्ति अपनी स्व-गणना पूरी कर लेता है, तो उसे एक विशिष्ट आईडी (AC ID) मिलेगी। प्रगणक के घर आने पर यह आईडी दिखाने से गणना प्रक्रिया बेहद सरल हो जाएगी। चिंता मुक्त प्रक्रियाः बारी ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि यदि कोई व्यक्ति अपनी स्व-गणना आईडी भूल जाता है, तो भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है; ऐसे मामलों में प्रशासन द्वारा पुनः गणना की पूरी सुविधा दी गई है। सटीकता की प्राथमिकताः त्रुटि सुधार के संबंध में गोपाल बारी ने बताया कि प्रगणकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे स्व-गणना डेटा को भी सावधानीपूर्वक क्रॉस-चेक करें। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य एक पारदर्शी और सुव्यवस्थित जनगणना सुनिश्चित करना है, जिसमें नागरिकों की सुविधा और डेटा की शुद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

सटीक डेटा से होगा विकास का मार्ग प्रशस्त- फील्ड ट्रेनर वीरेंद्र पवार ने बुरहानपुर में बताया कि 16 से 30 अप्रैल के बीच नागरिक पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। यह आंकड़े शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे (सड़कों, जल प्रदाय) जैसी जनहितकारी योजनाओं के सटीक आवंटन में आधार स्तंभ बनेंगे। बुरहानपुर में प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर- खकनार तहसील में जनगणना की तैयारियों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। तहसीलदार रविंद्र सिंह मंडलोई ने जानकारी दी कि खकनार के उत्कृष्ट विद्यालय में 264 कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। कार्य का वितरणः प्रत्येक प्रगणक को लगभग 200 से 300 मकानों की जिम्मेदारी दी गई है। यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी प्रगणक पर 900 से अधिक जनसंख्या का भार न हो, ताकि शत-प्रतिशत डेटा कवरेज सुनिश्चित हो सके। आम जनता से अपील प्रशासन ने जनता से अनुरोध किया है कि जनगणना के 34 महत्वपूर्ण प्रश्नों का सही-सही उत्तर दें। पोर्टल पर दी गई जानकारी पूरी तरह सुरक्षित है। नागरिकों का यह सहयोग ही राष्ट्र निर्माण और भविष्य की सटीक नीतियों के निर्माण की वास्तविक आधारशिला है।

इंदौर नगर निगम की सख्त कार्रवाई: खुले में कचरा फेंकने और गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माना

राजेश धाकड़

इंदौर। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जोन क्रमांक 01 के वार्ड 16 बांगड़दा रोड स्थित सुपर कॉरिडोर के पास बोरियों में भरकर शॉप का कचरा फेंके जाने का मामला सामने आया।

निरीक्षण के दौरान वार्ड दरोगा ने जब मौके पर कचरा देखा तो इसकी सूचना तत्काल जोन 01 के सहायक सीएसआई भारत करोसिया को दी गई। सूचना मिलते ही करोसिया मौके पर पहुंचे और बोरियों को खुलवाकर उनमें रखे सामान के आधार पर साक्ष्य जुटाए। जांच में मिले पते के आधार पर संबंधित व्यक्ति से संपर्क किया गया और अभिजीत जैन को मौके पर बुलाया गया।

पूछताछ में अभिजीत जैन ने स्वीकार किया कि उक्त कचरा उनकी दुकान का ही था। उन्होंने बताया कि शॉप खाली की गई थी और परिवार में गमी होने के कारण वे बाहर चले गए थे। कर्मचारियों को सफाई कर कचरा बोरियों में भरकर रखने को कहा था, ताकि बाद में निगम शुल्क जमा कर अधिकृत तरीके से निस्तारण कराया जा सके, लेकिन कर्मचारियों ने कचरा सुपर कॉरिडोर के पास फेंक दिया। गलती स्वीकार करने पर सहायक सीएसआई भारत करोसिया द्वारा 10,000 का जुर्माना वसूला गया। इसी वार्ड 16 में निरीक्षण के दौरान पेट्रोल पंप के पास एक दुकान के बाहर गंदगी और

जीरू की बोतलें पड़ी मिलीं, जिस पर संबंधित दुकान संचालक पर 4,500 की चालानी कार्रवाई की गई। वहीं वार्ड 09 में एक फ्रूट दुकान पर प्रतिबंधित पॉलिथिन का उपयोग करते हुए पाए जाने पर सहायक सीएसआई ने दुकानदार राम केवट को फटकार लगाई, पॉलिथिन जब्त की और 1,000 का चालान वसूला। इस कार्रवाई में वार्ड सहायक दरोगा आशीष करोसिया, सचिन सिरसिया एवं सचिन कल्याणे सहित निगम अमला मौजूद रहा। नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि शहर में गंदगी फैलाने, प्रतिबंधित पॉलिथिन उपयोग करने और खुले में कचरा फेंकने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कार्रवाई जारी रहेगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जैन ने किया सांवेर जनपद एवं ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण

आदित्य शर्मा

विकास कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

इंदौर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा आज जनपद पंचायत सांवेर कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयीन व्यवस्थाओं, संचालित शासकीय योजनाओं एवं उनकी प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। श्री जैन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को समय-सीमा में लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अभिलेखों का सूक्ष्म निरीक्षण करते हुए उनके समुचित संधारण, कार्यों की गुणवत्ता एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्णता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत हासाखेड़ी में नवीन निर्मित अटल सुशासन भवन (ग्राम पंचायत भवन) का अवलोकन किया गया। साथ ही भ्रमण के दौरान जल गंगा संवर्धन कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। ग्राम पंचायत बालरिया में निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन आंगनवाड़ी भवन एवं मोक्ष धाम का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने तथा ग्रामीण विकास के लक्ष्यों को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद

पंचायत सांवेर श्रीमती कुसुम मंडलोई सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंदौर में किताब लिखने आई महिला के साथ साजिश, 'बच्चा चोर' बताकर भीड़ से पिटवाया, लाखों की उगाही का आरोप

मैं शाह बानो के परिवार के इतिहास के बारे में जानकारी जुटाने और उस पर एक किताब लिखने के लिए उनके परिवार से मिलने इंदौर गई थी। उनके पोते से उनके ऑफिस में मिलने के बाद, एक घंटे से ज्यादा चली चर्चा में उन्होंने कमीशन की बात की। शुरुआत में मैंने इसे मना कर दिया था क्योंकि उन्होंने 25 लाख रुपये और 30% रॉयल्टी कमीशन की मांग की थी। फिर गूगल मीट पर हुई कुछ मीटिंग्स के बाद, हम दोनों सालाना बिक्री पर 50:50 रॉयल्टी कमीशन के लिए सर्वसम्मति से सहमत हो गए। इसके बाद उन्होंने एक ड्राफ्ट डॉक्यूमेंट भेजा जिसमें बहुत ही अवास्तविक मांगें थीं, जिसे हमने साइन करने से मना कर दिया। इस पर उन्होंने हमसे कहा कि हम अपनी शर्तों के हिसाब से इसे भरें और वापस भेज दें। हमने वैसा ही किया। वे मान गए, लेकिन काम शुरू करने से पहले उन्होंने फिर से चेक की मांग की, जिसे हमने खारिज कर दिया। अगले दिन सुबह उन्होंने हमें वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए बुलाया।

वीडियो रिकॉर्डिंग के बाद, उन्होंने मुझ पर दस्तावेजों पर साइन करने का दबाव डाला। जब मैंने उन्हें पढ़ा, तो मैं हैरान रह गई कि वह एक बिल्कुल अलग ही दस्तावेज था। भगवान का शुक्र है कि मैंने साइन नहीं किए, वरना...। इस बात पर विवाद बढ़ गया और वे चिल्लाने लगे, चीखने लगे और मेरी तरफ कागज फेंकने लगे। गुस्से,

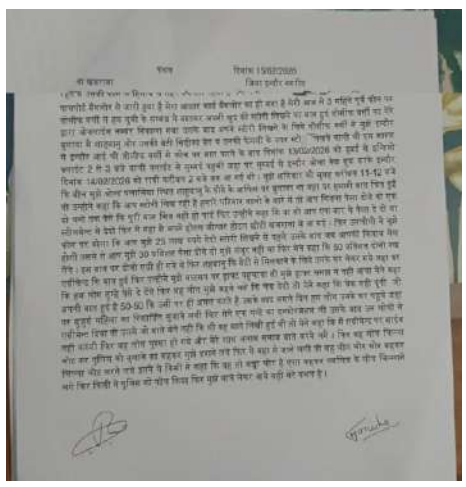

धोखे और हताशा में मैं उन्हें शांत होने के लिए कहती हुई घर से बाहर सड़क की तरफ निकल गई और इंदौर में अपने जान-पहचान वालों को फोन करने लगी। वे मेरे पीछे आए। मैंने उनसे पुलिस स्टेशन चलने को कहा और एक ऑटो ले लिया। लेकिन मिस्टर तौसीफ चिल्लाने लगे कि "बच्चा चोर है"। उन्होंने मुझ पर सड़क पर चोरी का झूठा आरोप भी लगाया। फिर मिस्टर जुबैर ने मेरा फोन छीन लिया, मुझे बाइक पर धक्का दिया और भाग गए। इसके बाद मैंने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस स्टेशन जाने के लिए कैब पकड़ने की कोशिश की, लेकिन अचानक स्थानीय लोगों की भीड़ मेरी ओर झपटी और मुझे 'बच्चा चोर' बताकर फंसा दिया। उन्होंने मेरे साथ गाली-गलौज

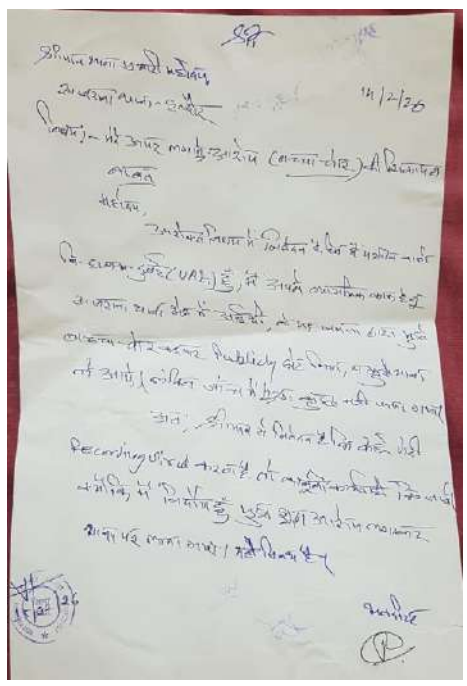

की, मुझे मारा, मेरे पिटने और हमले के वीडियो बनाए और मुझे पुलिस के हवाले कर दिया। भीड़ में से दो युवकों ने बताया कि कैसे उन्हें व्हाट्सएप पर मेरी तस्वीर मिली थी और मुझे 'बच्चा चोर' के रूप में फंसाने के निर्देश दिए गए थे। मैं समझ गई कि यह किसका काम है। पुलिस स्टेशन में उन्होंने मेरा दूसरा फोन भी ले लिया और बिना किसी सबूत या संचार के किसी साधन के मुझे घंटों बिठाए रखा। मेरे परिवार को मेरी हालत के बारे में सूचित किया गया। मुझे पता चला कि जुबैर और तौसीफ मुझसे 2 लाख रुपये ऐंठने की कोशिश कर रहे थे, इसीलिए मुझे बिना किसी सबूत और फोन के घंटों वहां बिठाया गया था।

हमने एक पैसा भी देने से इनकार कर दिया। इसके बाद उन्होंने मुझसे फिर से एक बेमतलब के माफीनामे पर साइन करवाने की कोशिश की, जिसे मैंने मना कर दिया। काफी बहस के बाद, आखिरकार मुझे मामले को 'आपसी माफी' के साथ खत्म करने के लिए मजबूर किया गया और पुलिस ने मेरे फुटेज डिलीट कर दिए। उन्होंने पुलिस के सामने ही मुझे उकसाकर लड़ाई करवाने की कोशिश की ताकि मैं फिर से फंस जाऊं। मेरे वकील ने स्थिति को संभाला और एक लिखित शिकायत दर्ज की कि जो भी वीडियो रिकॉर्ड कर रहा है या ऑनलाइन वायरल कर रहा है, उसे सजा दी जाएगी। सब कुछ होने के बाद मैं दुबई आ गई। मैंने पुलिस से पूछा कि क्या मेरा फोन छीनना और मुझे बिना किसी संपर्क के घंटों बिठाए रखना कानूनी है, लेकिन वे चुप रहे। मुझे पता चला कि इंस्टाग्राम पर मेरे कुछ वीडियो चल रहे हैं जिनमें कहा जा रहा है कि किसी को भी 'बच्चा चोर' के रूप में झूठा न फंसाया जाए। लेकिन उन वीडियो में मुझे भीड़ द्वारा पीटते हुए दिखाया गया है, जो मेरे लिए बहुत अपमानजनक है। स्टेशन में हर कोई जानता था कि मुझे झूठा फंसाया गया है, फिर भी कोई आगे नहीं आया।

आयुक्त द्वारा झोन 7 का निरीक्षण, स्वच्छता पर जोर

आदित्य शर्मा

आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने झोन क्रमांक 07 के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर स्वच्छ सर्वेक्षण की गाइडलाइन अनुसार व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर आयुक्त श्री अर्थ जैन, झोन नियंत्रणकर्ता अधिकारी श्रीमती टीना सिसोदिया, झोनल अधिकारी श्री सुनील जादौन, स्वास्थ्य अधिकारी श्री मनोहर गौसर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान उद्यान, बाजार, बस स्टॉप, सार्वजनिक शौचालय व जलस्त्रोतों की स्थिति का जायजा लिया गया। आयुक्त ने उद्यानों में ट्रीटेड पानी से सिंचाई, जलस्त्रोतों की नियमित सफाई व बेहतर रखरखाव पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा जनजागरूकता बढ़ाई जाए।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को गर्भपात की अनुमति, उच्च न्यायालय का संवेदनशील फैसला

अधिवक्ता दीक्षा श्रीवास ने बताया कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में दुष्कर्म की शिकार नाबालिग बालिका को गर्भपात की अनुमति प्रदान की है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि पीड़िता की शारीरिक एवं मानसिक स्थिति, उसकी कम आयु तथा मामले की संवेदनशील परिस्थितियों को देखते हुए गर्भ को जारी रखना उसके हित में नहीं है। यह याचिका अधिवक्ता दीक्षा ओमप्रकाश श्रीवास, सागर खर्ते एवं राकेश अहिरवार, अधिवक्ता हर्ष श्रीवास द्वारा दायर की गई थी। अधिवक्ता दीक्षा ओ.पी. श्रीवास ने अदालत के समक्ष तर्क रखा कि पीड़िता को गर्भ जारी रखने के लिए बाध्य करना उसके जीवन और गरिमा के अधिकार का उल्लंघन होगा। न्यायालय ने इन तर्कों को स्वीकार करते हुए पीड़िता के पक्ष में निर्णय सुनाया। अदालत ने अपने फैसले में चिकित्सा विशेषज्ञों की राय और मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (MTP) अधिनियम के प्रावधानों का भी संज्ञान लिया। न्यायालय ने निर्देश दिया कि पीड़िता को सुरक्षित और उचित चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उसे किसी प्रकार का अनावश्यक शारीरिक या मानसिक कष्ट न झेलना पड़े। यह फैसला भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार और गरिमा के साथ जीने के अधिकार को सुदृढ़ करता है। साथ ही, यह भी दर्शाता है कि न्यायपालिका संवेदनशील मामलों में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

असीमित विकल्पों के दौर में द्वंद्व रहित जीवन संभव है सहजयोग ध्यान से

जीवन की परिस्तिथियों में लिप्त ना होना, सुख दुख से परे जाकर जिंदगी का आनंद उठाना यूं अपने आप में समाया होना कि , हर समस्या का समाधान सहजता से प्राप्त हो यह सब जीवन जीने की कला है जो योग के बाद ध्यान करने से मनुष्य के भीतर विकसित होती है। "जब कुंडलिनी सहस्रार का भेदन करती है, तो आप अपने हाथों में शीतल हवा महसूस करते हैं। यह सौम्य शीतल लहरियां हैं जो कि पवित्र आत्मा या इस सर्वव्यापी शक्ति की ठंडी हवा है। लेकिन जब आप इस अवस्था को प्राप्त करते हैं तो आप आत्मा बन जाते हैं, आप उस पहिए की तरह अत्यंत शान्त बन बन जाते हैं, जो गतिशील है। और अगर आपका चित्त पहिए पर है, उसकी परिधि पर है, तब आपका मन भी हर समय चलायमान रहता है। लेकिन अगर आप पहिए की धुरी पर चित्त डालें, तो यह मौन है। अतः आप पूर्ण मौन के क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं और आप वहाँ से हरेक चीज़ को एक नाटक, एक लीला की तरह देखते हैं। यह सब चीजें आपके साथ सहज ही घटित होती हैं।"

परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी जी के 5 अगस्त 1991 के प्रवचन से साभार

हम देख रहे हैं विश्व कितनी तेजी से बदल रहा है। तकनीकी विकास ने, इस ग्लोबलाइजेशन ने जैसे विश्व को एक सूत्र में जोड़ दिया है। परंतु साथ ही साथ हम एक अशांति में प्रवेश होने से स्वंय को बचा नहीं पा रहे हैं। तकनीकी विकास ने मानवता, इंसानियत और भाई चारे को लगभग समाप्त ही कर दिया है। इंसान भी जैसे भावहीन मशीन सा बन गया है. बस पैसे कमाना, सुख सुविधाओं का उपयोग यही जिंदगी बन गई है। धर्म, राजनीति, परिवार और समाज हर जगह द्वंद्व है. जो जन साधारण के अंतर में बेचैनी का भाव भर रहा

है. . वर्तमान में स्थिति यह है कि हमारे आसपास के बदलते परिवेश का प्रभाव हम पर इतना अधिक होता है कि हम हम एक बेचैनी से भरा जीवन जीने को विवश होते हैं. शांति से यदि जीवन जीना है तो हमें ध्यान योग से जुड़ना चाहिए. सहज योग से जुडने पर जब हमारे अंदर स्थित कुंडलिनी शक्ति का जब जागरण होता है तब हमारे अंदर कई गुण विकसित होते हैं जिसमें एक गुण है साक्षी भाव। साक्षी भाव के जागृत होते ही हम पर आसपास के घटनाओं का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता और हम हर एक घटना को साक्षी बनकर देखने लगते हैं। अतः सहज योग से जुड़कर आत्म साक्षात्कार पायें और जीवन का आनंद उठायें. अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

महिला आरक्षण विवाद पर सियासत तेज: 27 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र, 26 को कांग्रेस का पैदल मार्च

भोपाल। लोकसभा में नारी शक्ति वंदन बिल गिरने के बाद देश में सियासी घमासान मचा हुआ है। भाजपा और कांग्रेस लगातार एक दूसरे पर हमलावर है। इस बिल के समर्थन में जहां मध्य प्रदेश की मोहन सरकार ने 27 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है। वही दूसरी तरफ सत्र से एक दिन पहले यानि 26 अप्रैल 2026 को एमपी कांग्रेस भोपाल में पैदल मार्च निकालने की तैयारी जा रही है जिसमें 33% महिला आरक्षण लागू करने की मांग की जाएगी। कांग्रेस का यह पैदल मार्च माता मंदिर से रोशनपुरा तक निकाला जाएगा। इसमें भोपाल के साथ सीहोर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, हरदा, राजगढ़ सहित अन्य जिलों के कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार इसकी अगुवाई करेंगे। कांग्रेस का कहना है कि वर्तमान 543 सीटों पर ही 33% आरक्षण तुरंत लागू किया जाए। दरअसल, लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल पास ना होने के बाद से बीजेपी विपक्षी दलों के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश बीजेपी द्वारा जन आक्रोश महिला पद यात्रा निकाली गई थी जिसमें मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित मंत्री और सांसद शामिल हुए थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा था कि नारी सब कुछ भूल सकती है, लेकिन अपना अपमान नहीं भूलती। संसद में बहनों के हक पर डाका डालने का जो काम किया गया है, उसके खिलाफ सरकार एक दिन का सत्र भी बुलाने जा रही है। कांग्रेस और विपक्षी दलों ने महिलाओं के अधिकारों का हनन किया है। इसके जवाब में दो दिन पहले भोपाल में महिला कांग्रेस ने भी कांग्रेस कार्यालय से बीजेपी कार्यालय तक पैदल मार्च और प्रदर्शन किया और नारी शक्ति वंदन बिल को छलावा बताया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ भी बीजेपी पर इस बिल के माध्यम से महिला आरक्षण के नाम पर जनता को भ्रमित कर राजनीतिक लाभ लेने का आरोप लगा चुके है। अब मोहन सरकार द्वारा मध्य प्रदेश विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में विपक्ष को घेरने की पूरी तैयारी में है। चर्चा है सरकार कांग्रेस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी लाने जा रही है। विधानसभा के बाद नगरीय निकायों में भी इसी तरह निंदा प्रस्ताव लाए जाएंगे। इससे पहले 26 अप्रैल को कांग्रेस भोपाल में पैदल मार्च निकालने जा रही है। खबर है कि कांग्रेस भी विधानसभा के अंदर विधायक दल की ओर से 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को बिना परिसीमन और जनगणना को ढाल बनाकर लागू करने का संकल्प प्रस्तुत करने और विधानसभा का घेराव करने जैसी रणनीति बना सकती है। गौरतलब है कि सितंबर 2023 में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पास किया गया था, जिसे केंद्र सरकार ने 16 अप्रैल 2026 से आधिकारिक तौर पर लागू (Notify) कर दिया है। इसके बाद सरकार 2023 के कानून में कुछ बदलाव करने के लिए '131वां संविधान संशोधन विधेयक 2026' लाई। इसमें लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव था, ताकि महिलाओं को 33% आरक्षण देने के बाद भी पुरुषों की मौजूदा सीटों में कमी न आए। जिस पर17 अप्रैल 2026 को वोटिंग कराई गई। लेकिन दो-तिहाई बहुमत न मिलने के चलते लोकसभा में बिल गिर गया। इसके पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 वोट पड़े। संविधान संशोधन के लिए 352+ वोटों (2/3) की जरूरत थी। 54 वोटों की कमी के कारण बिल पास नहीं हो सका। इस पूरे घटनाक्रम के बाद से ही बीजेपी कांग्रेस और पूरे विपक्ष पर हमलावर है।

खंडवा में मिलावट का काला खेल बेनकाब: चर्बी से बन रहा था 'घी', छापे में भारी मात्रा जब्त

खंडवा शहर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। यहां चुपचाप चल रहे एक अवैध कारोबार का पर्दाफाश हुआ, जहां कथित तौर पर जानवरों की चर्बी से घी तैयार किया जा रहा था। खाने-पीने की चीजों में मिलावट का खतरा लगातार बढ़ रहा है। लेकिन जब यह मिलावट सीधे सेहत से जुड़ी हो, तो चिंता और भी बढ़ जाती है। खंडवा की यह कार्रवाई इसी दिशा में एक बड़ा खुलासा बनकर सामने आई है।

प्रशासन की बड़ी छापेमारी- खंडवा के इमलीपुरा स्थित बेगम पार्क के पास जिला प्रशासन ने छापेमारी की। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई थी। सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर, तहसीलदार महेश सोलंकी और निगम अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची। जैसे ही टीम ने दबिश दी, वहां मौजूद दृश्य देखकर सभी चौंक गए।

चर्बी से बना घी और जानवरों के अवशेष बरामद- छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में चर्बी युक्त घी बरामद किया गया। यह घी ड्रम और कनस्तरों में भरा हुआ था। साथ ही बोरियों में जानवरों की खाल और हड्डियां भी मिलीं। कार्रवाई में कुल 9 ड्रम और 69 कनस्तर चर्बी युक्त घी जब्त किया गया। खंडवा नकली घी मामला अब गंभीर जांच का विषय बन गया है।

लाइसेंस पर उठे सवाल- मौके पर मौजूद मालिक अनवर कुरैशी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने 2023 का ट्रेड लाइसेंस होने की बात कही। हालांकि, यह लाइसेंस सिर्फ अपशिष्ट सामग्री रखने के लिए था। प्रशासन अब जांच कर रहा है कि इस लाइसेंस के तहत क्या-क्या गतिविधियां की जा रही थीं।

क्षेत्रवासियों की शिकायत के बाद हुई कार्रवाई- स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां लंबे समय से अवैध गतिविधियां चल रही थीं। उन्होंने कई बार इसकी शिकायत भी की थी। लेकिन अब जाकर प्रशासन ने सख्त कदम उठाया। खंडवा नकली घी मामला सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है।

सेहत पर बड़ा खतरा, सैंपल जांच के लिए भेजे गए- जब्त सामग्री के सैंपल पशु चिकित्सा विभाग ने जांच के लिए भेज दिए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह का घी स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है। यह सीधे तौर पर लोगों की सेहत से खिलवाड़ है।

अवैध कारोबार पर सख्ती के संकेत- इस कार्रवाई से साफ हो गया है कि प्रशासन अब ऐसे मामलों में सख्त रुख अपनाने जा रहा है। खंडवा नकली घी मामला सिर्फ एक जगह का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम के लिए चेतावनी है।

एमपी में बच्चों की पैरासिटामोल सिरप पर अलर्ट: अमानक बैच पर तत्काल बैन, स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल रोक लगाई

भोपाल। मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों को दिए जाने वाली पैरासिटामोल सिरप के एक विशेष बैच पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह कार्रवाई भोपाल स्थित सरकारी ड्रग टेस्टिंग लेबोरेटरी की जांच में दवा के अमानक पाए जाने के बाद हुई है। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग ने आदेश जारी कर इसकी सप्लाई और उपयोग बंद करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार यह दवा बच्चों के उपचार में उपयोग होती है इसलिए मामले को गंभीरता से लेते हुए जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि अन्य बैचों की दवाएं फिलहाल सुरक्षित हैं, लेकिन एहतियात के तौर पर उनकी निगरानी भी बढ़ा दी गई है।

पैरासिटामोल सिरप के एक विशेष बैच पर प्रतिबंध- जानकारी के अनुसार, सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में उपयोग हो रही

पैरासिटामोल पीडियाट्रिक ओरल सस्पेंशन IP 125 mg/zml (बैच नंबर 41507) के नमूने जांच के लिए जबलपुर से भोपाल भेजे गए थे। जांच रिपोर्ट में सामने आया कि यह सिरप निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरी जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल अलर्ट जारी कर मध्यप्रदेश में इसपर प्रतिबंध लगा दिया है। अगर आपके घर में भी इस तरह का सिरप है तो तुरंत उसे चेक करें और आवश्यक हो तो डॉक्टर की सलाह लें।

सभी अस्पतालों को इसका वितरण बंद करने के निर्देश- जबलपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी ने सख्त निर्देश देते हुए जिले के सभी सिविल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और निजी क्लीनिकों में इस बैच की दवा के उपयोग और वितरण को तुरंत बंद करने को कहा है। साथ ही संबंधित स्टॉक को अलग रखकर उसकी जानकारी विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं।यह दवा इंदौर स्थित कंपनी मेसर्स जेनिथ ड्रग्स लिमिटेड द्वारा निर्मित की गई थी जिसकी निर्माण तिथि नवंबर 2024 और एक्सपायरी अक्टूबर 2026 निर्धारित है। विभाग अब इस बात की विस्तृत जांच कर रहा है कि इस बैच की कितनी दवा जबलपुर में सप्लाई की गई थी और उसमें से कितनी खपत हो चुकी है।

पुलिस तंत्र की स्वायत्तता और सम्मान पर उठते सवालों को लेकर जीतू पटवारी का खुला पत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मध्यप्रदेश पुलिस एवं देशभर के पुलिसकर्मियों के नाम एक महत्वपूर्ण खुला पत्र जारी किया है, जिसमें हाल ही में घटित घटनाओं के संदर्भ में पुलिस तंत्र की स्वायत्तता, सम्मान एवं निष्पक्षता को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। जारी पत्र में श्री पटवारी ने कहा है कि मध्यप्रदेश में हाल ही में एक भाजपा विधायक द्वारा एक आईपीएस अधिकारी को धमकी देने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। उन्होंने इसे केवल एक व्यक्ति के व्यवहार का मामला न मानते हुए, सत्ता के बढ़ते अहंकार और कानून-व्यवस्था पर उसके प्रभाव का संकेत बताया है। श्री पटवारी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि यह स्थिति एक व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाती है, जहाँ बार-बार ऐसे उदाहरण सामने आते हैं, जिनमें भाजपा नेता पुलिस अधिकारियों

पर दबाव बनाने या उन्हें अपमानित करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने इस पर भी चिंता जताई कि ऐसी घटनाओं के बाद पुलिस तंत्र की प्रतिक्रिया अक्सर सीमित, संयमित अथवा मौन रहती है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से प्रश्न करते हुए कहा कि किन परिस्थितियों ने देश के सबसे प्रशिक्षित एवं अनुशासित अधिकारियों को रक्षात्मक स्थिति में ला खड़ा किया है। उन्होंने यह भी कहा कि जब आम नागरिक के सामने पुलिस सख्त रवैया अपनाती है, तो प्रभावशाली व्यक्तियों के सामने उसकी आवाज कमजोर क्यों पड़ जाती है। श्री पटवारी ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि जब पुलिस निष्पक्षता और संविधान के दायरे में कार्य करती है, तब कोई भी प्रभावशाली व्यक्ति उस पर दबाव नहीं बना सकता। किन्तु जब पुलिस पर राजनीतिक प्रभाव हावी होता है, तब उसे दबाव और अपमान दोनों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आईपीएस एसोसिएशन द्वारा जारी पत्र का हवाला देते हुए कहा कि उसमें आक्रोश की अपेक्षा विवशता अधिक दिखाई देती है, जो एक मजबूत संस्था के लिए चिंताजनक संकेत है। श्री पटवारी ने स्पष्ट किया कि उनका यह पत्र पुलिसकर्मियों के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों के खिलाफ है जो पुलिस को उसकी मूल संवैधानिक भूमिका से दूर कर रही हैं।

उन्होंने देशभर के पुलिसकर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा, साहस और समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें संविधान के प्रति अपनी निष्ठा को सर्वोपरि रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि कानून लागू करने वाली संस्था ही असहाय या मौन दिखाई देगी, तो लोकतंत्र में आम नागरिक का विश्वास कमजोर होगा। अंत में श्री पटवारी ने पुलिसकर्मियों से आह्वान किया कि वे अपने भीतर के साहस को याद करें, निष्पक्षता बनाए रखें और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने की अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें।

2500 साल बाद अपनों के बीच पहुंचे मणिपुर के यहूदी

आंखों में नजर आया पुनर्मिलन का भाव, बह निकले आंसू

तेल अवीव (एजेंसी)। पूरी दुनिया की नजर इजरायल के ईरान और लेबनान के साथ तनाव पर बनी हुई है। वहीं, इन सबके बीच तेल अवीव हजारों किलोमीटर दूर भारत में एक ऑपरेशन चला रहा है। यह मिशन भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से शुरू होता है, जिसका मकसद 5000 लोगों को भारत के मणिपुर से इजरायल भेजना है। इस मिशन का नाम ऑपरेशन विंग्स ऑफ डॉन रखा गया है। यह मिशन भारत में मौजूद बनी मेनाशे समुदाय के सदस्यों को वापस उनकी जड़ों से जोड़ना है, जो हजारों साल पहले अपने पुरखों के घरों से कट गए थे। बनी

मेनाशे को बाइबिल में लॉस्ट ट्राइब (खोई हुई जनजाति) में बताया गया है। इजरायली सरकार ने गुरुवार को दिल्ली के रास्ते बनी मेनाशे समुदाय के 250 सदस्यों का पहला जत्था हवाई जहाज से इजरायल भेजा। बीते साल बेंजामिन नेतन्याहू सरकार ने घोषणा की थी कि वह भारत में मौजूद समुदाय के 4600 सदस्यों को इजरायल भेजेगी। पिछले दो दशकों में 5000 लोग पहले ही इजरायल जा चुके हैं।

हर साल 1200 लोग जाएंगे इजरायल

इजरायल की योजना साल 2030 तक समुदाय को सदस्यों को भारत से पूरी तरह ले जाने की इजरायल के इमिग्रेशन मंत्री ओफिर सोफर ने समाचार एजेंसी को बताया कि इस मिशन के तहत हर साल 1200 लोगों को इजरायल भेजा जाएगा। लेकिन इन सबके बीच पहले हम बताते हैं कि बनी मेनाशे कौन हैं और वे इजरायल से भारत के सुदूर उत्तर-पूर्व क्षेत्र में कैसे पहुंच गए। बाइबिल के अनुसार, प्राचीन इजरायल के लोग 12 कबीलों में बंटे हुए थे। इनमें से दस कबीलों के नाम जैकब (याकूब) के बेटों के नाम पर रखे गए थे। दो कबीलों के नाम उनके पोतों एफ्रैम और मेनाशे के नाम पर थे। ये दोनों जोसेफ (यूसुफ) के बेटे थे। बनी मेनाशे समुदाय का दावा है कि वे मेनाशे के ही वंशज हैं। 722 ईसा पूर्व में असीरियाई साम्राज्य ने इजरायल को हरा दिया। इसके बाद मेनाशे समुदाय को अपनी जमीन छोड़कर जाना पड़ा। उस समय के फारस (आज ईरान), अफगानिस्तान, तिब्बत और चीन से होते हुए यह समुदाय के लगभग 10000 सदस्य भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में पहुंचे, जो मणिपुर और मिजोरम में बस गए। गुरुवार को नए अप्रवासियों का जत्था तेल अवीव के बेन गुरियन एयर पोर्ट पहुंचा तो उसके स्वागत के लिए इजरायल के इमिग्रेशन मंत्री ओफिन सोफर और यहूदी एजेंसी के अध्यक्ष मेजर-जनरल (रि) डोरोन अल्मोग समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। सोफर ने समुदाय की इजरायल वापसी को ऐतिहासिक कदम बताया।

बंगाल में अब सिर्फ परिवर्तन की लहर है: पीएम

दमदम और जादवपुर की रैली में बोले नरेन्द्र मोदी

कहा-वेस्ट बंगाल में टीएमसी का दीया बुझने वाला है

कोलकाता (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दमदम और जादवपुर में रैली की। उन्होंने कहा कि टीएमसी का दिया बुझने वाला है। बुझता दिया फड़फड़ाता है। बंगाल में परिवर्तन की लहर है। पहले चरण की वोटिंग ने इस पर मुहर लगा दी है। पीएम ने महिला आरक्षण पर कहा कि भाजपा बेटियों के सपने कुचलने नहीं देगी। महिलाओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता होगी। बंगाल को टीएमसी से आजादी चाहिए। टीएमसी के डर से आजादी, टीएमसी के भ्रष्टाचार से आजादी, टीएमसी के सिंडिकेट से आजादी, बेटियों पर अत्याचार और बेरोजगारी से आजादी। टीएमसी ने बंगाल में लोकतंत्र के मंदिर को कुचल दिया था, लेकिन पहले चरण में जनता ने लोकतंत्र के मंदिर का पुनर्निर्माण कर दिया है। दूसरे चरण में आपको इस लोकतंत्र के मंदिर पर विजय ध्यज फहराना है। जब बंगाल की बेटियां न्याय मांगती हैं तो टीएमसी उन्हें घर से बाहर न निकलने की सलाह देती है। टीएमसी नहीं चाहती कि महिलाएं सपने देखें।

15 साल में टीएमसी ने बंगाल को सिर्फ लूटने का काम किया

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जाधवपुर में कहा कि बंगाल में पहले चरण का मतदान हो चुका है। पहले चरण में बंपर मतदान हुआ है। देश आजाद होने के बाद कभी ऐसा नहीं देखा जो इस बार बंगाल के लोगों ने कर दिखाया। हर तरफ यही चर्चा है कि भाजपा को कितना बड़ा समर्थन बंगाल में मिला है। आज बंगाल के छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारी तक, सब भयमुक्त होकर भाजपा की सरकार के लिए समर्थन दे रहे हैं। हर कोई परिवर्तन के लिए भाजपा के भरोसे पर बंगाल का भाग्य बनाने के लिए तैयार हैं। पिछले 15 साल में टीएमसी ने बंगाल को सिर्फ और सिर्फ लूटने का काम किया है। ऐसा कोई काम नहीं जहां टीएमसी का भ्रष्टाचार नहीं इसलिए बंगाल की जनता कह रही है भर्ती घोटाला चोलबे न (भर्ती घोटाला नहीं चलेगा), चीट फंड घोटाला, कोयला खनन घोटाला, गरीबों के राशन की लूट, तस्करों को छूट, कटमनी, भ्रष्टाचार नहीं चलेगा।

टीएमसी राज में बेटियां सुरक्षित नहीं, बीजेपी सरकार में बलात्कारी सुरक्षित नहीं रहेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जादवपुर में कहा कि पहले चरण के मतदान से साफ हो गया है कि कई जिलों में टीएमसी अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी। दूसरे चरण में आपको टीएमसी की पक्की हार और विकसित बंगाल के संकल्प पर मुहर लगानी है। बीजेपी की जीत, चाहे बड़ी हो या निर्णायक, बंगाल में तेज विकास का नया दौर लेकर आएगी। 29 अप्रैल को आपको यह काम करना है। यह बंगाल के लिए बहुत बड़ा अवसर है, इसलिए एक भी वोट छूटना नहीं चाहिए। टीएमसी सरकार में पाले गए अपराधियों और गुंडों, तथा महिलाओं के खिलाफ बलात्कार जैसी घटनाओं के दोषियों को कानून सख्त सजा देगा और हम यह सुनिश्चित करेंगे। टीएमसी शासन में यहां बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, लेकिन भाजपा सरकार में कोई भी बलात्कारी या अपराधी सुरक्षित नहीं रहेगा। सबका हिसाब होगा, यह मोदी की गारंटी है।

दसवीं बोर्ड टॉपर प्रतिभा सोलंकी को मिलेंगे एक लाख रुपए

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बड़ा ऐलान, 500 में 499 अंक लाने पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दसवीं बोर्ड की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली होनहार छात्रा पन्ना की कु. प्रतिभा सिंह सोलंकी को माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं बोर्ड परीक्षा में 500 में से 499 अंक प्राप्त करने पर एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेटी कु. प्रतिभा और उनके माता-पिता को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेटी कु. प्रतिभा को सुशासन की प्रतीक लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर मां की मूर्ति भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट तथा आशीर्वाद प्राप्त करने प्रतिभा, परिजन सहित समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) आई थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिभा को आशीर्वाद देते हुए कहा कि प्रतिभा जैसी बेटियां प्रदेश की शान हैं। प्रतिभा की सफलता लाखों बेटियों और अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। बिटिया की उपलब्धि पर पूरे प्रदेश को गर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कु. प्रतिभा और उनके परिजन ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

पंचायत राज संस्थाएं लोकतंत्र की सशक्त आधारभूत इकाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर प्रदेशवासियों को मंगलकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्राम स्वराज की परिकल्पना को साकार करने में पंचायत राज संस्थाएं लोकतंत्र की सशक्त आधारभूत इकाई हैं।

मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों की कमी शीघ्र होगी पूरी

उप मुख्यमंत्री देवड़ा बोले-स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह ने शुक्रवार को मंदसौर जिले के स्वास्थ्य एवं अधोसंरचना विकास को नई गति देते हुए इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय, मंदसौर में कुल 29 करोड़ 52 लाख रुपए की लागत से विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने 7 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से निर्मित 100 बिस्तरीय नवनिर्मित वार्ड तथा 17 करोड़ 29 लाख रुपए की लागत से बने 100 बिस्तरीय मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) भवन का लोकार्पण किया। साथ ही 4 करोड़ 73 लाख रुपए की लागत से चांदाखेड़ी फंटा से खजुरिया मार्ग निर्माण कार्य का भूमि-पूजन भी किया। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों की स्थापना से प्रदेश के स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की कमी को धीरे-धीरे दूर किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि पहले प्रदेश में सीमित संख्या में मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन अब प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

इन संस्थानों से प्रशिक्षित होकर निकलने वाले विद्यार्थी प्रदेश में ही सेवाएं देंगे, जिससे आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि जिला चिकित्सालय मंदसौर में आज जो सुविधाएं जोड़ी गई हैं, वे क्षेत्र के नागरिकों के लिए बड़ी सौगात हैं और इससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य भवन केवल एक इमारत नहीं है।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, शनिवार 25 अप्रैल 2026

संजू सैमसन ने मुंबई के खिलाफ शतक जड़ रच दिया इतिहास

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2026 के 33वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 103 रनों से रौंदा. वानखेड़े के मैदान पर मिली धमाकेदार जीत के साथ ही सीएसके आईपीएल में एमआई के खिलाफ सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाली टीम बन गई है.

चेन्नई सुपर किंग्स से मिले 208 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस की पूरी टीम 19 ओवर में 104 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. संजू सैमसन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए इस सीजन का अपना दूसरा शतक लगाया. सैमसन ने 54 गेंदों में 101 रनों की नाबाद पारी खेली . अपनी इस पारी में संजू ने 10 चौके और 6 छक्के लगाए. ऋतुराज गायकवाड़ ने 22 रन बनाए, तो सरफराज खान ने 14 रनों का योगदान दिया. वहीं, डेवाल्ड ब्रेविस ने 21 और कार्तिक शर्मा ने 18 रन बनाए. यह सीएसके की इस सीजन की तीसरी जीत है, जबकि एमआई को पांचवीं हार का मुंह देखना पड़ा है. एमआई की शुरुआत बेहद खराब रही और दानिश मालेवार और नमन धीर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे. क्विंटन डी कॉक भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 7 रन बनाकर मुकेश चौधरी का शिकार बने. सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने चौथे विकेट के लिए 73 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई. तिलक 29 गेंदों में 37 रन बनाकर आउट हुए, तो सूर्यकुमार 36 रन बनाने के बाद अकील हुसैन की गेंद पर सरफराज को कैच देकर पवेलियन लौटे.

हार्दिक पांड्या (1 रन) और शेरफेन रदरफोर्ड (0) बुरी तरह से फेल रहे. गेंदबाजी में सीएसके की ओर से अकील हुसैन ने 4 और नूर अहमद ने 2 विकेट अपने नाम किए. वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (स्ट्रू) के खिलाफ शतक जड़ना किसी भी बल्लेबाज के लिए एक सपने जैसा होता है. इस शानदार उपलब्धि के बाद अपनी रणनीति का खुलासा करते हुए शतकवीर खिलाड़ी ने बताया कि यह पल उनके और टीम के लिए बेहद खास है. उन्होंने कहा कि आज के दौर में उन्होंने अपनी बल्लेबाजी को बहुत सरल रखा है और वह केवल मैच के हालातों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. वानखेड़े की पिच को लेकर उन्होंने एक दिलचस्प बात साझा की कि आज का विकेट आम दिनों जैसा नहीं था, यहां गेंद न केवल स्विंग हो रही थी, बल्कि पिच से थोड़ा रुककर भी आ रही थी. इसी स्पष्टता ने उन्हें पारी को आगे बढ़ाने में काफी मदद की.

● **खेल खुद आपको रास्ता दिखाता है कि आपको क्या करना है :** संजू - मैच के दौरान टीम की मुश्किलों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि पावरप्ले के तुरंत बाद उन्हें पिच के मिजाज का अंदाजा हो गया था. टीम लगातार बीच-बीच में विकेट गंवा रही थी और जब भी बल्लेबाज बड़े शॉट खेलने का प्रयास करते, वे आउट हो रहे थे. ऐसी स्थिति में उन्होंने अपनी जिम्मेदारी को समझा और तय किया कि एक जमे हुए बल्लेबाज के रूप में उनका अंत तक क्रीज पर टिके रहना बहुत जरूरी है. उन्होंने कहा, 'खेल खुद आपको रास्ता दिखाता है कि आपको क्या करना है.' इसी संयम और खेल की समझ का नतीजा रहा कि वह अंत तक नाबाद रहे और एक यादगार शतक के साथ अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया मैदान पर उतरते समय पहले से कोई निश्चित धारणा या 'माइंडसेट' बनाकर खेलना हमेशा सही नहीं होता. खेल के प्रति मेरी सोच बहुत अलग है. संजू ने कहा, व्यक्तिगत रिकॉर्ड से ऊपर टीम की जरूरतें आती हैं. एक अनुभवी खिलाड़ी के नाते मेरी यह जिम्मेदारी बनती है कि मैं अपनी स्वाभाविक शैली को खेल की परिस्थितियों और टीम की मांग के अनुसार ढालूं. आज के मैच में भी, अगर हमने शुरुआत में जल्दी विकेट नहीं गंवाए होते, तो मैं शायद बहुत पहले ही आक्रामक शॉट खेलना शुरू कर देता, लेकिन विकेट गिरने की वजह से पारी को संभालना और उसे अंत तक ले जाना अनिवार्य था.

गोलकीपर प्रिंस नहीं खेल पाएंगे एशियाड

बाएं कंधे की होगी सर्जरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेल 2026 से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम को झटका लगा है। एशियाई खेलों के कैंप में शामिल गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह चोटिल हो गए हैं। प्रिंसदीप के बाएं कंधे के लेब्रल हिस्से में चोट की सर्जरी की जाएगी। प्रिंसदीप जूनियर हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हैरतअंगेज प्रदर्शन से चर्चा में आए थे, जिससे भारत सेमीफाइनल में पहुंचा था। चेन्नई में बीते दिसंबर में खेले गए जूनियर विश्व कप में भारत की कांस्य पदक जीत में प्रिंस की अहम भूमिका थी। प्रिंस के कंधे की सर्जरी इसी सप्ताह मुंबई में सर्जरी चर्चित चिकित्सक डॉ. दिनशा पारदीवाला करेंगे। सर्जरी के बाद प्रिंसदीप को पूरी तरह ठीक होने में छह माह तक का समय लग सकता है, जबकि एशियाई खेल ऐची और नागोया में 19 सितंबर से शुरू होने हैं। ऐसे में उनके खेलने की संभावना नगण्य हो गई है।

पुरानी है कंधे की चोट

सूत्र बताते हैं कि प्रिंसदीप पिछले एक-दो साल से इस चोट से पीड़ित हैं। तब भी वह लगातार खेल रहे थे। अब दर्द असहनीय होने पर उन्हें सर्जरी की सलाह दी गई है। अब एशियाई खेलों की टीम में गोलकीपर के लिए कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेगा, पवन और मोहित के बीच मुकाबला है।

सर्जरी पर 6.5 लाख खर्च

पंजाब के 21 वर्षीय गोलकीपर प्रिंस को पीआर श्रीजेश का विकल्प माना जा रहा है। वह 2024 में जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। उनकी सर्जरी पर साढ़े छह लाख रुपये का खर्च होगा, जिसे मेडिकल इंश्योरेंस और टॉप्स स्कीम से पूरा किया जाएगा।

पहले स्थान पर पहुंचा भारत

प्राची गायकवाड़ ने गोल्ड पर लगाया निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राची गायकवाड़ ने गुरुवार को मिस्र के काहिरा में चल रहे इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर वर्ल्ड कप राइफल / पिस्टल / शॉटगन में जूनियर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में 354.6 का स्कोर किया और व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट (एआईएन) डारिया चुप्रीस को हराया, जिन्होंने 354.4 का स्कोर किया। एक और एआईएन शूटर, एलेना क्रेटिनिना ने 343.3 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता, और 35-शॉट के फाइनल से 34वें शॉट के बाद बाहर हो गईं। नारायण प्रणव ने भी जूनियर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में फाइनल में 229.5 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। मंगलवार (21 अप्रैल) को प्रतियोगिता के पहले दिन शिवा नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में जीत हासिल की थी; उसके बाद यह भारत का दूसरा गोल्ड है। दो गोल्ड, चार सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल के साथ भारत एक बार फिर मेडल टैली में टॉप पर पहुंच गया है।

स्कूली बसों में लगाना होंगे स्पीड गवर्नर-बसों में सुरक्षा के अन्य प्रबंध भी जरूरी

आदित्य शर्मा

बच्चों की सुरक्षा से कोई भी समझौता नहीं होगा बर्दाश्तः लापरवाही पाये जाने पर की जाएगी सख्त कार्रवाई

बसों के संचालन के संबंध में गाईडलाइन जारी

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में शैक्षणिक वाहनों के सुरक्षित संचालन को लेकर बैठक सम्पन्न

इंदौर। कलेक्टर कार्यालय में आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में शैक्षणिक वाहनों के सुरक्षित संचालन एवं विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, कॉलेज संचालक, निजी शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विद्यार्थियों के परिवहन में उपयोग होने वाले वाहनों के सुरक्षित संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश (गाईडलाइन) जारी की गई। इस गाईडलाइन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षा प्रबंधों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। किसी भी तरह समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लापरवाही पाये जाने पर कड़ी कार्रवाई होगी।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती शांता स्वामी भार्गव, जिला परियोजना समन्वयक श्री संजय मिश्रा भी विशेष रूप से मौजूद थे। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सभी स्कूल एवं कॉलेज संचालकों को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी शैक्षणिक वाहनों की नियमित जांच कराई जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उनमें सभी आवश्यक सुरक्षा मानक पूर्ण रूप से मौजूद हों। निर्देश दिए गए कि प्रत्येक बस में अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से लगाया जाए, लेकिन केवल उपकरण लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि स्कूलों में समय-समय पर सुरक्षा मॉक ड्रिल भी आयोजित की जाए, ताकि विद्यार्थियों और स्टाफ को आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित बचाव के तरीकों की जानकारी हो।

कलेक्टर श्री वर्मा ने स्कूलों में संचालित रसोईघर एवं मध्यान्ह भोजन व्यवस्थाओं की सुरक्षा को लेकर भी विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी संभव हो, स्कूलों की रसोई में पीएनजी कनेक्शन का उपयोग सुनिश्चित किया जाए, क्योंकि यह अपेक्षाकृत सुरक्षित व्यवस्था है। साथ ही मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच की जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित भोजन उपलब्ध हो सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि स्कूली यूनिफॉर्म और किताबों के संबंध में किसी प्रकार की मोनोपॉली नहीं रहे। अभिभावकों को परेशानी न हो। स्कूल यूनिफॉर्म, किताबें एवं अन्य आवश्यक सामग्री की सुगमता से उपलब्धता हो। किसी प्रकार की एकाधिकार व्यवस्था (मोनोपॉली) नहीं रहे। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कॉलेज परिसरों में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि इसके नियंत्रण के लिए विशेष समितियों का गठन किया जाए। यह समितियां नियमित रूप से निगरानी रखें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी विद्यार्थी नशे की गतिविधियों में संलिप्त न हो। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है तो तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए।

बैठक में बताया गया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी स्कूल बसों में स्पीड गवर्नर लगाया जाना अनिवार्य है। बसों में छोटे-छोटे बच्चे सफर करते हैं, इसलिए वाहन की गति नियंत्रित रहना बेहद आवश्यक है। यह केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा बेहद महत्वपूर्ण प्रावधान है, जिसका सभी स्कूल संचालकों को गंभीरता से पालन करना होगा। यह भी निर्देश दिए गए कि बसों में बच्चों को ड्रायवर के केबिन में किसी भी स्थिति में न बैठाया जाए। विद्यार्थियों को केवल निर्धारित सीटों पर ही बैठाया जाए, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को कम किया जा सके। क्षमता से अधिक बच्चों को नहीं बैठाया जाए। सभी स्कूल संचालकों को बस चालकों एवं वाहनों से संबंधित संपूर्ण जानकारी संबंधित संकुल स्तर पर जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस जानकारी में चालक का नाम, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज शामिल रहेंगे, ताकि आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन के पास संपूर्ण रिकॉर्ड उपलब्ध रहे।

बसों के लिए जारी गाईडलाइन

सभी स्कूल बसों का रंग पीला होना अनिवार्य है। बसों के आगे और पीछे स्पष्ट रूप से "स्कूल बस" अंकित होना चाहिए। यदि बस किसी एजेंसी से अनुबंध पर ली गई है तो उस पर "ऑन स्कूल ड्यूटी" लिखा होना आवश्यक होगा। प्रत्येक बस में प्राथमिक उपचार हेतु फर्स्ट-एड बॉक्स उपलब्ध होने चाहिए। परिवहन विभाग द्वारा स्वीकृत स्पीड गवर्नर लगाया जाना अनिवार्य होगा। बसों में सुरक्षा की दृष्टि से हॉरिजेंटल ग्रिल लगाई जाएंगी। प्रत्येक वाहन में अग्निशमन यंत्र उपलब्ध हो। बसों पर संबंधित स्कूल का नाम एवं संपर्क नंबर अंकित होना अनिवार्य है। विद्यार्थियों के बैग रखने हेतु सीटों के नीचे उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बस चालकों के पास भारी वाहन चलाने का न्यूनतम 5 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। बच्चों की सुरक्षा के लिए बस में कंडक्टर, शिक्षक, अभिभावक अथवा अन्य जिम्मेदार व्यक्ति की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। छात्राओं के परिवहन के दौरान महिला चालक या महिला परिचालक की उपलब्धता आवश्यक होगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि चालक एवं हेल्पर ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार के नशे की अवस्था में न हों। चालकों के विरुद्ध कोई गंभीर प्रकरण दर्ज न हो तथा उनका रिकॉर्ड स्वच्छ हो। प्रत्येक बस में आपातकालीन निकास द्वार अनिवार्य रूप से उपलब्ध होने चाहिए। सभी स्कूल बसों में जीपीएस एवं सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं तथा उन्हें हमेशा क्रियाशील रखा जाए। बसों में परदे अथवा काले शीशों की फिल्म का उपयोग प्रतिबंध रहेगा, जिससे अंदर की गतिविधियां स्पष्ट दिखाई दे सकें। बसों के अंदर पर्याप्त रोशनी एवं स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सीटें गैर-ज्वलनशील सामग्री की होनी चाहिए। बसों पर रिफ्लेक्टिव टेप एवं स्टॉप साइन लगाना अनिवार्य है। सभी वाहनों के पास वैध रजिस्ट्रेशन, फिटनेस, परमिट, पीयूसी एवं बीमा दस्तावेज होना अनिवार्य रहेगा। बसों में स्टेपनी टायर एवं मरम्मत किट उपलब्ध रखनी होगी। इमरजेंसी सायरन, अलार्म बेल एवं पैनिक बटन की व्यवस्था को भी सुनिश्चित किया जाए। वाहन चलाते समय चालक मोबाइल फोन का उपयोग न करें। वर्षा ऋतु के दौरान पुल या पुलिया पर अधिक जलभराव अथवा तेज बहाव की स्थिति में वाहन को नहीं निकाले। बसों में निर्धारित क्षमता के अनुसार ही विद्यार्थियों को बैठाया जाए। स्कूल संचालकों द्वारा समय-समय पर बस चालकों की काउंसलिंग एवं प्रशिक्षण आयोजित किया जाए तथा स्कूल प्रबंधन द्वारा जीपीएस एवं सीसीटीवी के माध्यम से वाहनों की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगा।

महापौर द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

आदित्य शर्मा

महापौर परिषद सदस्य एवं पार्षद भी फील्ड में रहेंगे सक्रिय

आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव द्वारा सिटी बस ऑफिस में निगम के समस्त स्वास्थ्य अधिकारियों, सीएसआई एवं संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य प्रभारी श्री अश्विनी शुक्ल, अपर आयुक्त श्री प्रखर सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान महापौर ने स्वच्छ सर्वेक्षण की गाइडलाइन के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि सभी जोन एवं वार्ड

स्तर पर अधिकारी प्रातःकालीन समय में फील्ड में उपस्थित रहकर सफाई व्यवस्था का नियमित निरीक्षण करें और व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हों।

उन्होंने स्वच्छता के विभिन्न मानकों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि विद्यालयों में भी निर्धारित मापदंडों के अनुरूप साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इंदौर की स्वच्छता में नागरिकों के साथ-साथ निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। महापौर ने बताया कि वे स्वयं महापौर परिषद सदस्यों एवं पार्षदों के साथ फील्ड में उतरकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे और निरंतर जोन एवं वार्डों का भ्रमण करेंगे। स्वच्छता अभियान को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए 26 अप्रैल को शहर के सभी हॉस्टल एसोसिएशन के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त मच्छरों की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। महापौर ने सभी अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए इंदौर को पुनः देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाए रखने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य करने के निर्देश दिए।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888